बाइबल हमें इन बुराईयों के समय में क्या करने की सलाह देती
है?

इफिसियों 5:15-18:

“इसलिए ध्यानपूर्वक देखो कि तुम कैसे चलते हो; मूर्खों की
तरह नहीं, बल्कि बुद्धिमानों की तरह;
समय का सदुपयोग करते हुए, क्योंकि यह समय बुराई से भरा है। इसलिए मूर्ख मत बनो, बल्कि समझो कि प्रभु की इच्छा क्या है।
और शराब में न डूबो, जिससे व्यभिचार होता है; बल्कि आत्मा से परिपूर्ण रहो।”

श्लोक 18 के अंत में बाइबल हमें कहती है: “बल्कि आत्मा से परिपूर्ण रहो।” यह एक सतत् क्रिया का संकेत है। याद रखें, जब प्रेरित पौलुस यह बात इफिसुस की चर्च से कह रहे थे, वे जानते थे कि उन्होंने पहले ही पवित्र आत्मा को प्राप्त किया था, और यही कारण है कि यह चर्च बड़ा और प्रसिद्ध हुआ।

लेकिन पौलुस ने यही नहीं माना कि वे पूर्ण हो गए हैं। उन्होंने उन्हें निरंतर आत्मा से परिपूर्ण होने की शिक्षा दी, क्योंकि वे जानते थे कि आत्मा व्यक्ति के भीतर शांत या सक्रिय हो सकती है—यह निर्भर करता है कि हम अपने उद्धार में कितने सजग या सुस्त हैं।

बाइबल हमें इन बुराईयों के समय में क्या करने की सलाह देती
है?

हम आधुनिक युग के ईसाई भी, जिनमें बुराई अधिक बढ़ गई है, केवल यह कहकर कि हम उद्धार प्राप्त कर चुके हैं या पवित्र आत्मा को स्वीकार कर चुके हैं, यह पर्याप्त नहीं है। हमारा परमेश्वर के साथ संबंध स्थिर और जीवित रहना चाहिए। हमें दिन-प्रतिदिन पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होना होगा, ताकि जब अनजान समय में उद्धार का दिन आए, हम तैयार रहें।

यदि हम इसे नजरअंदाज करते हैं, तो हम उनके समान हो सकते हैं जिन्हें मत्ती 25 में ‘मूर्ख कन्याएँ’ कहा गया है। वे प्रभु का इंतजार कर रहे थे लेकिन उनके दीपक में पर्याप्त तेल नहीं था। जब दुल्हा आया, तो कुछ तैयार थे और शामिल हुए, लेकिन जो तेल लेने गए, वे देर से लौटे और अवसर खो दिया।

यहां तेल का प्रतीक पवित्र आत्मा है। जब हमने उद्धार प्राप्त किया और पवित्र आत्मा को स्वीकार किया, तो यह हमारे आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत है। लेकिन केवल यही पर्याप्त नहीं है—हमें निरंतर आत्मा से परिपूर्ण होना होगा।

पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने के चार मुख्य उपाय:
प्रार्थना के माध्यम से
लूका 11:13 में लिखा है:

“तो, यदि तुम बुरे होकर भी अपने बच्चों को अच्छे तोहफे देना

बाइबल हमें इन बुराईयों के समय में क्या करने की सलाह देती
है?

जानते हो, तो क्या स्वर्गीय पिता अपने पवित्र आत्मा को उन लोगों को नहीं देगा जो उससे मांगते हैं?”
यदि आप नियमित प्रार्थना करते हैं और आलस्य नहीं दिखाते, तो आप आत्मा के लिए रास्ता खोलते हैं, और पवित्र आत्मा आपके जीवन पर अधिकार जमाता है।

बाइबल का अध्ययन और अभ्यास
परमेश्वर का वचन हमारे जीवन का भोजन है। यदि हम इसे गंभीरता से नहीं पढ़ते और जीवन की सही जानकारी नहीं खोजते, तो आत्मा हमारे भीतर कार्य नहीं कर पाएगी। जो लोग उद्धार प्राप्त कर चुके हैं लेकिन बाइबल पढ़ने में सुस्ती दिखाते हैं, वे उसी तरह तैयार नहीं हैं जैसे आत्मा उन्हें करना चाहती है।

बुराई से दूर रहें
पाप आकर्षक हो सकता है, लेकिन इसका परिणाम विनाशकारी है। जब हम पाप सहते हैं, परमेश्वर का चेहरा हमसे छिप जाता है और पवित्र आत्मा शांत या बाहर हो जाता है (यशायाह 59:2)।

सुसमाचार का प्रचार करें
जब आप दूसरों को सिखाते हैं और जीवन के वचन को साझा करते हैं, तो आत्मा आपके भीतर और अधिक काम करता है। यह निरंतर आत्मा से परिपूर्ण होने का अवसर देता है और हमें परमेश्वर के और करीब लाता है।

बाइबल हमें इन बुराईयों के समय में क्या करने की सलाह देती
है?

हमें केवल अपने वर्तमान आध्यात्मिक स्थिति से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें पूछना चाहिए: क्या हमारा तेल (अर्थात् पवित्र आत्मा) प्रभु के आने तक पर्याप्त है? यदि नहीं, तो अब समय है इसे भरने का। प्रत्येक दिन आत्मा को हमारे जीवन में काम करने का अवसर दें, ताकि अनजान दिन पर हम तैयार रहें।

आशीर्वाद!

यदि आप चाहें तो इन शिक्षाओं को दूसरों के साथ साझा करें। हम इन्हें ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से भी भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए नीचे टिप्पणी बॉक्स या +255 789001312 पर संपर्क करें।

बाइबल हमें इन बुराईयों के समय में क्या करने की सलाह देती है?

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp